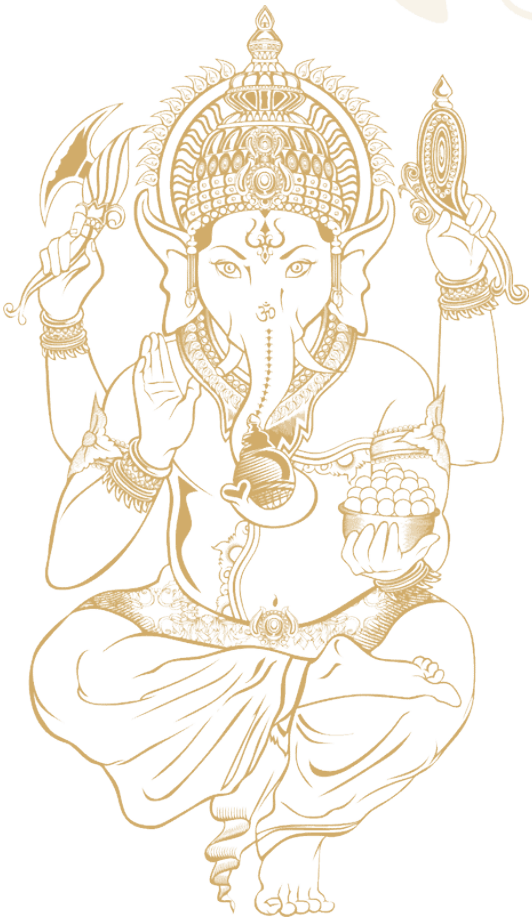

Mr.Siddhant Jain

Ms.saloni Jain

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119267901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119267901 Date: 29/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/11/1995	जन्म तिथि	18/02/1994
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 19:00:00	जन्म समय	15:44:00 घंटे
घटी 30:37:14	जन्म समय(घटी)	21:56:11 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	New Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:36:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:45:06	सूर्योदय	06:57:32
17:26:49	सूर्यास्त	18:13:09
23:48:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:46

वृष	लग्न	कर्क
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
सिंह	राशि	वृष
सूर्य	राशि-स्वामी	शुक्र
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	कृतिका
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
4	चरण	2
वैधृति	योग	ऐन्द्र
वणिज	करण	विष्टि
टू-टूंगर	जन्म नामाक्षर	इ-ईशा
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
वनचर	वश्य	चतुष्पाद
मूषक	योनि	मेष
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
श्वान	वर्ग	गरूड़

Pulak Sagarm - Hastrekha,Jyotish & Vastu
T - 13,Cosmo Tower,hanuman Chauraha
Jankganj, Gwalior pin code 474001

9425187186,9302614644
Astrodr.hcjain @gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 2वर्ष 8मा 10दि		26:22:36	वृष	लग्न	कर्क	04:41:43	सूर्य 3वर्ष 5मा 17दि	
राहु		00:55:06	वृश्चि	सूर्य	कुंभ	05:45:10	राहु	
28/07/2021		24:52:11	सिंह	चंद्र	वृष	02:18:06	07/08/2014	
29/07/2039		26:25:07	वृश्चि	मंगल	मक	22:50:07	06/08/2032	
राहु	10/04/2024	27:37:57	तुला	बुध व	कुंभ	09:43:57	राहु	19/04/2017
गुरु	03/09/2026	25:40:29	वृश्चि	गुरु	तुला	20:42:57	गुरु	12/09/2019
शनि	10/07/2029	23:46:33	वृश्चि	शुक्र	कुंभ	13:32:00	शनि	19/07/2022
बुध	28/01/2032	24:12:38	कुंभ व	शनि	कुंभ	08:39:48	बुध	05/02/2025
केतु	14/02/2033	02:24:12	तुला	राहु व	वृश्चि	04:25:23	केतु	23/02/2026
शुक्र	15/02/2036	02:24:12	मेष	केतु व	वृष	04:25:23	शुक्र	23/02/2029
सूर्य	09/01/2037	03:27:45	मक	हर्ष	मक	00:33:59	सूर्य	18/01/2030
चन्द्र	10/07/2038	29:29:21	धनु	नेप	धनु	28:26:15	चन्द्र	20/07/2031
मंगल	29/07/2039	06:27:55	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	04:15:28	मंगल	06/08/2032

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:04 चित्रपक्षीय अयनांश 23:46:46

लग्न-चलित

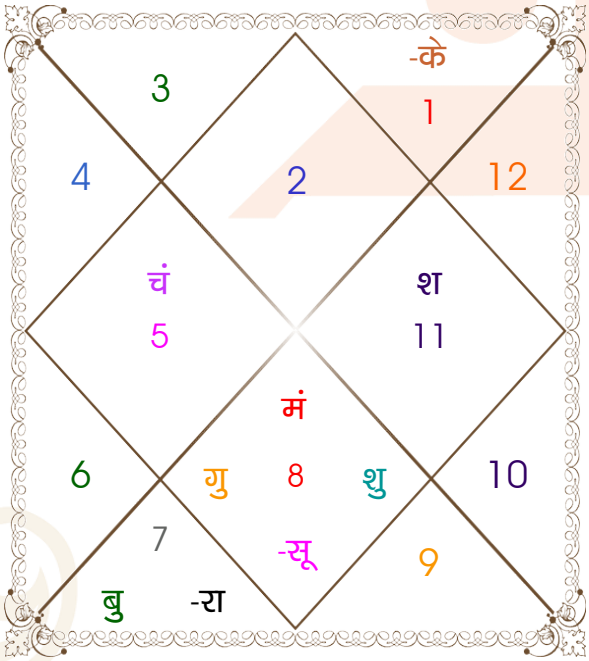

लग्न-चलित

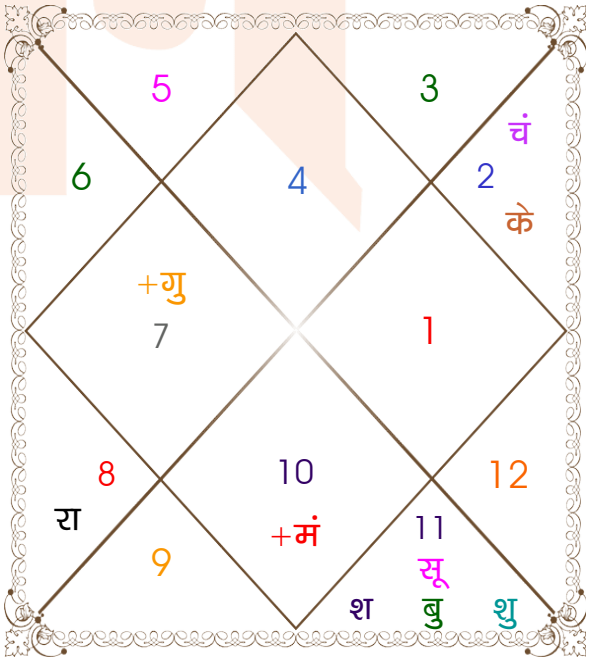

Pulak Sagarm - Hastrekha,Jyotish & Vastu
T - 13,Cosmo Tower,hanuman Chauraha
Jankganj, Gwalior pin code 474001

9425187186,9302614644
Astrodr.hcjain @gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

कुल : **21 / 36**

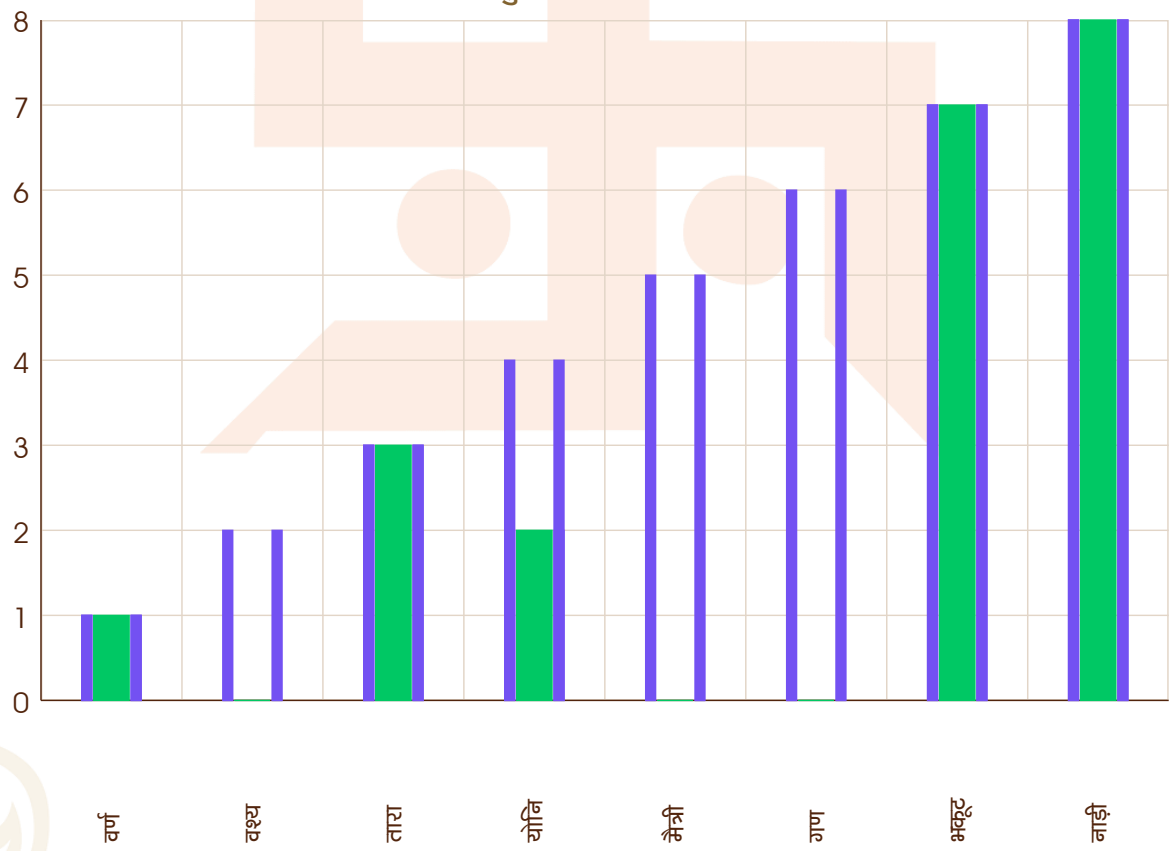

Pulak Sagarm - Hastrekha,Jyotish & Vastu
T - 13,Cosmo Tower,hanuman Chauraha
Jankganj, Gwalior pin code 474001

9425187186,9302614644
Astrodr.hcjain @gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Mr.Siddhant Jain का वर्ग श्वान है तथा Ms.saloni Jain का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Siddhant Jain और Ms.saloni Jain का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Siddhant Jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्ध्;डडम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल Mr.Siddhant Jain कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr.Siddhant Jain कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.saloni Jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.saloni Jain कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.saloni Jain कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.Siddhant Jain कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Siddhant Jain तथा Ms.saloni Jain में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.Siddhant Jain का वर्ण क्षत्रिय तथा Ms.saloni Jain का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश Ms.saloni Jain आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही Ms.saloni Jain की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

Mr.Siddhant Jain का वश्य वनचर है एवं Ms.saloni Jain का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर हमेशा चतुष्पद के लिए खतरा होता है। जब भी वनचर को मौका मिलता है वह चतुष्पद को अपना शिकार बना लेता है। वनचर Mr.Siddhant Jain एवं चतुष्पद Ms.saloni Jain का विवाह अच्छा साबित होने में संदेह है। Mr.Siddhant Jain निर्दयी, क्रूर, वर्चस्वशाली एवं चतुर होगा तथा अपनी पत्नी को नौकरानी की भांति समझेगा। वह Ms.saloni Jain को नीचा दिखाने का कोई अवसर नहीं चूकेगा। अक्सर वह अपनी पत्नी के साथ क्रूर व्यवहार कर सकता है तथा संभव है Ms.saloni Jain को अक्सर उसका दुर्व्यवहार सहना पड़े।

तारा

Mr.Siddhant Jain की तारा अतिमित्र तथा Ms.saloni Jain की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। Mr.Siddhant Jain हमेशा Ms.saloni Jain के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

Mr.Siddhant Jain की योनि मूषक है तथा Ms.saloni Jain की योनि मेष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो

सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.Siddhant Jain एवं Ms.saloni Jain दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mr.Siddhant Jain एवं Ms.saloni Jain के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी Mr.Siddhant Jain दवं Ms.saloni Jain को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

गण

Mr.Siddhant Jain का गण मनुष्य तथा Ms.saloni Jain का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Ms.saloni Jain का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Mr.Siddhant Jain एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Mr.Siddhant Jain से Ms.saloni Jain की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Ms.saloni Jain से Mr.Siddhant Jain की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.Siddhant Jain एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद

करती रहेंगी। Ms.saloni Jain को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Ms.saloni Jain हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

Mr.Siddhant Jain की नाड़ी मध्य है तथा Ms.saloni Jain की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Mr.Siddhant Jain एवं Ms.saloni Jain के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.Siddhant Jain की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह राशि है तथा Ms.saloni Jain की पृथ्वी तत्व युक्त वृष राशि है। नैसर्गिक रूप से अग्नि एवं पृथ्वी तत्व के मध्य विषमता का भाव रहता है। अतः Mr.Siddhant Jain और Ms.saloni Jain के मध्य स्वभावगत असमानताओं के कारण मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर उनके परस्पर विवाद तथा मतभेद उत्पन्न होते रहेंगे।

Mr.Siddhant Jain की जन्म राशि का स्वामी सूर्य तथा Ms.saloni Jain की जन्म राशि का स्वामी शुक्र परस्पर शत्रु है। अतः इसके प्रभाव से Mr.Siddhant Jain और Ms.saloni Jain का दाम्पत्य संबध अच्छा नहीं रहेगा। इनकी प्रवृति परस्पर विवाद एवं वैमनस्य के भाव से युक्त होगी तथा एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे। फलतः संबधों में तनाव उत्पन्न होगा तथा एक दूसरे के प्रति आकर्षण समर्पण एवं सहयोग की भावना में न्यूनता रहेगी फलतः दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं रहेगा।

Mr.Siddhant Jain और Ms.saloni Jain की राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट है अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आ सकती है तथा परस्पर सामंजस्य स्थापित करके आनंद के कुछ क्षणों की अनुभूति करने में समर्थ हो सकते हैं। साथ ही जीवन में सुख संसाधनों की प्राप्ति करके उनके उपभोग करने में भी Mr.Siddhant Jain और Ms.saloni Jain को सफलता प्राप्त होगी।

Mr.Siddhant Jain का वश्य वनचर तथा Ms.saloni Jain का वश्य चतुष्पद है नैसर्गिक रूप से वनचर एवं चतुष्पद में असमानता का भाव होता है अतः Mr.Siddhant Jain और Ms.saloni Jain की अभिरूचियां अलग अलग होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे को काम चेष्टाओं में भी प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Mr.Siddhant Jain का वर्ण क्षत्रिय तथा Ms.saloni Jain का वर्ण वैश्य है। Mr.Siddhant Jain की प्रवृति साहसी एवं पराक्रमी कार्यो को करने की रहेगी तथा Ms.saloni Jain व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगी। साथ ही धनार्जन के प्रति हमेशा प्रवृत रहेंगी।

धन

Mr.Siddhant Jain का जन्म अतिमित्र तथा Ms.saloni Jain का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से Ms.saloni Jain एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा Ms.saloni Jain के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार

Mr.Siddhant Jain और Ms.saloni Jain आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

Mr.Siddhant Jain और Ms.saloni Jain को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

Mr.Siddhant Jain की नाड़ी मध्य तथा Ms.saloni Jain की नाड़ी अन्त्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में जन्म होने के कारण नाड़ी दोष के प्रभाव से मुक्त रहेंगे अतः गंभीर शारीरिक कष्ट से सुरक्षित रहेंगे लेकिन मंगल का दोनों के स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव नहीं रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही संभोग क्रिया में भी दोनों शिथिलता तथा उदासीनता प्रदर्शन का करेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में अल्पता की अनुभूति होगी। इसके अतिरिक्त Ms.saloni Jain के गर्भपात की भी संभावना रहेगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता करने के लिए Mr.Siddhant Jain और Ms.saloni Jain दोनों को हनुमान की उपासना, मंगलवार के उपवास तथा मूंगा आदि धारण करना चाहिए। इससे अशुभ प्रभावों में न्यूनता तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Mr.Siddhant Jain और Ms.saloni Jain का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Ms.saloni Jain के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Ms.saloni Jain को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Mr.Siddhant Jain और Ms.saloni Jain बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Mr.Siddhant Jain और Ms.saloni Jain का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.saloni Jain के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms.saloni Jain के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ms.saloni Jain अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms.saloni Jain के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr.Siddhant Jain तथा उनकी सास के संबधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.Siddhant Jain के संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से Mr.Siddhant Jain के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण Mr.Siddhant Jain के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।